

siddhilakShmIstutiH

——
सिद्धिलक्ष्मीस्तुतिः

——
Document Information



Text title : Siddhilakshmi Stutih

File name : siddhistuti.itx

Category : devii, lakShmI, stotra, devI

Location : doc_devii

Author : Traditional

Proofread by : Subrahmanyam Gorty subrahmanyam_gorty at yahoo.com

Latest update : June 24, 2020

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

June 24, 2020

sanskritdocuments.org



सिद्धिलक्ष्मीस्तुतिः



आकारभ्रमरुपेण ओंकारं विष्णुमव्ययम् ।

सिद्धिलक्ष्मि! परालक्ष्मि! लक्ष्यलक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥

याः श्रीः पद्मने कदम्बशिखरे राजगृहे कुंजरे

श्वेते याश्चयुते वृषे य युगले यज्ञे य यूपस्थिते ।

शंभे देवकुले नरेन्द्रभवने गंगातटे गोकुले

या श्रीस्तिष्ठति सर्वदा मम गृहे भूयात् सदा निश्चला ॥

या सा पद्मासनस्था विपुलकटितटी पद्मपत्रायताक्षी

गम्भीरावर्तनाभिः स्तनभरनमिता शुद्धवस्त्रोत्तरीया ।

लक्ष्मिर्दिव्यैर्गजैर्द्रैर्मणिगणपरितैः स्नापिता उभकुम्भै-

र्नित्यं सा पद्महस्ता मम वसतु गृहे सर्वमांगव्ययुक्ता ॥

॥ इति सिद्धिलक्ष्मीस्तुतिः समाप्ता ॥

